दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 24 मार्च 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 174

महत्वपूर्ण एवं खास

दिल्ली आबकारी नीति मामले में ईडी दूसरी पूरक चार्जशीट के लिए तैयार

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में कुछ और अहम सबूत जुटाए हैं। हाल ही में, संघीय एंटी मनी लॉन्ड्रिंग एजेंसी ने कई लोगों से पूछताछ की और इलेक्ट्रॉनिक और दस्तावेजी सबूत जब्त किए। ईडी के सूत्रों ने कहा है कि वे दूसरी पूरक चार्जशीट दायर करने के लिए तैयार हैं, जिसमें बीआरएस एमएलसी के. कविता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को आरोपी बनाया जा सकता है। ईडी ने चार्जशीट में उल्लेख किया था कि सभी आरोपी कई सेल फोन का उपयोग कर रहे थे, जिन्हें बाद में उन्होंने सबूतों को हटाने के लिए पूरे डेटा को नष्ट कर दिया। अपनी पूछताछ के दौरान, कविता, जो तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी भी हैं, ने लगभग नौ सेल फोन ईडी को सौंपे, जिन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए एफएसएल भेजा गया था। सूत्रों ने बताया कि उनका सिसोदिया से भी आमना-सामना कराया गया।

गारमेंट फैक्ट्री में आग, 10 लोगों का किया रेस्क्यू

नोएडा (आरएनएस)। नोएडा की एक गारमेंट फैक्ट्री में गुरुवार सुबह करीब 7 बजे भीषण आग लग गई। मौके पर दमकल की गाडिय़ों को रवाना किया गया। फैक्ट्री में फंसे 10 कामगारों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। दमकल की करीब एक दर्जन गाडिय़ों ने आग पर काबू पा लिया। चीफ फायर ऑफिसर प्रमोद कुमार से मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार सुबह नोएडा के सेक्टर 10 में आग लगने की सूचना करीब 7 बजे फायर विभाग को मिली थी। इसके बाद आनन-फानन में तुरंत इन गाडिय़ों को रवाना किया गया। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने 10 लोगों की जान बचाई। नोएडा के थाना फेस वन के सेक्टर 10 ए 108 में स्थित कपड़े की करिश्मा फैशन कंपनी में आग लगी थी।

रामचरितमानस को 'राष्ट्रीय पुस्तक' घोषित करने की मांग

लखनऊ (आरएनएस)। आरएसएस समर्थित इकाई राष्ट्रीय पर्व एवं उत्सव समिति ने कवि तुलसीदास द्वारा रचित महाकाव्य 'रामचरितमानस' को 'राष्ट्रीय पुस्तक' घोषित करने की मांग को लेकर एक हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया है। अभियान चैत्र नवरात्रि के पहले दिन शुरू किया गया, जो हिंदू नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है। एक बयान में, समिति ने कहा कि यह कार्यक्रम मुख्य रूप से हिंदू नव वर्ष के महत्व और जीवन के एक तरीके के रूप में धर्म के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए आयोजित किया गया है। गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने आरोप लगाया गया है कि रामचरितमानस के कुछ छंद पिछड़े वर्गों सहित समाज के कुछ अन्य वर्गों के लिए अपमानजनक हैं।

फिरौती के लिए अपहरण के आरोप में बेंगलुरु के दो पुलिसकर्मी गिरफ्तार

बेंगलुरु (आरएनएस)। बेंगलुरु में दो पुलिसकर्मियों को एक व्यक्ति का अपहरण करने और उसकी रिहाई के लिए उसके परिवार से 40 लाख रुपए मांगने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। दोनों की पहचान सब-इंस्पेक्टर रंगेश और हेड कांस्टेबल हरीश के रूप में हुई। यह घटना 18 मार्च को हुई थी और अब सामने आई है। दोनों आरोपियों ने एक व्यक्ति को बाघ के अंगों को बेचते समय रंगे हाथों पकड़ा था। इसके बाद उसके परिवार से उसकी रिहाई के लिए 40 लाख रुपए की फिरौती देने की मांग की। बेंगलुरु के बगलुरु पुलिस थाने में दर्ज शिकायत में परिवार ने कहा है कि दोनों ने उसका अपहरण कर लिया। वहीं, इस मामले में तीन अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि रंगेश एक सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) का करीबी है।

गजवा-ए-हिंद के खिलाफ एक्शन, 3 राज्यों में एनआईए की रेड

मुंबई (आरएनएस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी देश भर में गजवा-ए-हिंद से जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापा डाला है। महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश में कुल 7 लोकेशन पर एनआईए की टीम ने कार्रवाई की है। गजवा-ए-हिंद आतंकी संगठन अल कायदा के साथ मिलकर काम करता है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने महाराष्ट्र में 3 जगहों पर, गुजरात में 3 जगहों पर और मध्य प्रदेश में 1 जगह पर छापा मारा है। फिलहाल राष्ट्रीय जांच एजेंसी की ये कार्रवाई जारी है।

शराबकाण्ड पर मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट में सरकारी लापरवाही हुई उजागार : सरकार ने सुरक्षा तक मुहैया नहीं कराई

- आयोग ने मीडिया रिपोर्टस से पीड़ितों की जुटाई जानकारी, सरकार ने नहीं किया सहयोग
- रिपोर्ट में 77 लोगों की मौत का जिक्र, पीड़ित परिवार के पुर्नवास की नहीं हुई व्यवस्था
- राज्य में शराबबंदी कानून पूरी तरह से विफल
- मरने वाले अधिकतर गरीब और दैनिक कामगार, कई पीड़ितों की आंखों की रोशनी भी गई
- प्रत्येक मृतक को 4 लाख मुआवजा देना जिला प्रशासन का काम
- दिसम्बर 21, 22 एवं 23 को मानवाधिकार की टीम गई थी बिहार
- रुडी ने पुछा, गरीबों की मौत के लिए जिम्मेदार कौन ?

पटना (आरएनएस)। सारण में जहरीली शराब कांड की जांच करने बिहार पहुंची मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट ने राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन और उत्पाद विभाग की अकर्मण्यता को उजागर किया है। सारण सांसद सह पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रुडी ने केंद्रीय टीम बिहार भेजने की मांग सदन में उठाई थी जिसके बाद जांच के लिए यह टीम सारण पहुंची थी। सांसद ने कहा कि वो शुरू से कहते आ रहे है कि राज्य सरकार जांच में असहयोग कर रही है। मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट ने उसे पुख्ता किया है। इसमें स्थानीय प्रशासन जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से लेकर राज्य सरकार तक कटघरे में खड़े नजर आते है। रिपोर्ट में कुल 77 लोगों की मौत का उल्लेख किया गया है जिसमें साफ-साफ लिखा गया है कि मरने वालो में किसान, मजदूर, ड्राइवर, चाय बेचने वाले, फेरीवाले, बेरोजगार थे। रिपोर्ट में यह साफ बताया गया है कि पीडितों में 75 फिसदी पिछड़ी जातियों से थे।

रिपोर्ट में इस बात का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि जांच करने पहुंची टीम को राज्य सरकार से कोई सहयोग प्राप्त नहीं हुआ। रिपोर्ट में पटना उच्च न्यायालय की टिप्पणी का जिक्र किया गया है जिसमें कोर्ट ने राज्य में पूर्ण शराबबंदी कानून को लागू करने में सरकार की विफलता बताया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्ण शराबबंदी कानून का राज्य में कार्यान्वयन पूरी तरह से उत्पाद आयुक्त की जिम्मेदारी है, जिला में पुलिस अधीक्षक के सहयोग से जिलाधिकारी की जिसमें सभी फेल हुए। हुई मौतें पूरी तरह से मानवाधिकार का मामला है। रिपोर्ट में यह साफ-साफ लिखा हुआ है कि शराब कांड में मरने वाले किसान, मजदूर, ड्राइवर, चाय बेचने वाले, फेरीवाले आदि कुछ बेरोजगार भी थे। उनमें से ज्यादातर आर्थिक रूप से कमजोर थे और अधिकांश मृतक पीडित परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे जिनके आश्रितों के रूप में उनकी पत्नियों और 2-3 नाबालिग बच्चे भी थे। उनके रहने की स्थिति ज्यादातर खराब थी। उनमें से कुछ नियमित रूप से शराब का सेवन करते थे, तो कुछ कभी-कभार। परिवार के अधिकांश सदस्य यह जानते थे कि पीडित/मृत व्यक्ति आवश्यकता पडऩे पर आसानी से स्थानीय क्षेत्र से शराब प्राप्त करने में सक्षम थे।

आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि मामले में समाज के गरीब और कमजोर वर्गों के यक्तियों की मृत्यु हुई, जो लोक सेवकों की घोर विफलता के कारण मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन मामला है। गरीब भोले-भाले लोगों को अवैध और नकली शराब के सेवन से रोककर उनके जीवन की रक्षा करें। इस तथ्य के बावजूद कि राज्य ने शराब की बिक्री पर रोक लगा दी है, लेकिन वह नकली और अवैध शराब की बिक्री को पूरी तरह से रोकने में सक्षम नहीं है, जिससे मानव जीवन का भारी नुकसान हुआ है, जिसके लिए राज्य अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता है।

जहरीली शराब से हुई मौत कांड में रिपोर्ट के अनुसार 77 लोगों की मौत हुई थी जिसे सामूहिक नरसंहार की संज्ञा दी गई थी। सांसद ने इसकी जांच के लिए सदन में केंद्रीय टीम भेजने की मांग की थी जिसके बाद मानवाधिकार आयोग की टीम बिहार गई थी। मालूम हो कि सारण और सीवान जिलों के मामले में मौके पर तथ्यान्वेषी जांच करने के लिए राजीव जैन के नेतृत्व में एनएचआरसी की एक जिसमें मनोज यादव, आईपीएस, डीजी (आई), सुनील कुमार मीणा, आईपीएस, डीआईजी, मीनाक्षी शर्मा (पीओ, बृजवीर सिंह, एआर (कानून), इसम सिंह, उप. सपा, राजेंद्र सिंह, उप. सपा, बी.एस. शेखावत, निरीक्षण निरीक्षक, नरेंद्र कुमार ओझा, इंस्पेक्टर, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, कांस्टेबल, माधव नंदा राउत, कास्ट, दक्षता बाजपेयी जेआरसी, कीर्ति वशिष्ठ जेआरसी शामिल थे।

मोदी सरनेम मानहानि केस में राहुल गांधी दोषी करार, 2 साल जेल की सजा

सूरत (आरएनएस)। मोदी सरनेम मानहानि केस में सूरत की कोर्ट राहुल गांधी को दोषी करार दिया है। 2019 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने मोदी सरनेम पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि सारे चोरों के नाम मोदी कैसे? सूरत की सीजेएम कोर्ट ने सुबह 11 बजे फैसला सुनाते हुए राहुल गांधी को दोषी करार दिया। राहुल को जिस अपराध का दोषी पाया गया है, उसमें दो साल तक की सजा सुनाई गई है। वहीं राहुल को कोर्ट से तुरंत बेल मिल गई है।

फैसले के वक्त खुद राहुल गांधी भी कोर्ट में मौजूद रहे। यह केस राहुल गांधी के खिलाफ 2019 में दर्ज किया गया था। उन्होंने कर्नाटक में एक चुनावी जनसभा के दौरान मोदी सरनेम को लेकर विवादित बयान दिया था। राहुल गांधी ने इस दौरान नीरव मोदी, ललित मोदी का जिक्र करते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। राहुल ने कहा था, 'क्यों सभी चोरों का समान उपनाम मोदी ही होता है?'

इसके बाद बीजेपी विधायक परनेश मोदी ने उनके खिलाफ केस दर्ज कराया था। उनका दावा था कि राहुल के बयान से मोदी समुदाय का अपमान हुआ है। राहुल गांधी को इस केस में तीन बार कोर्ट में पेश होना पड़ा था। उन्होंने कहा था कि चुनावी समभा मं उन्होंने बयान दिया था और याद नहीं है कि क्या कहा था। कोर्ट में सभा की वीडियो रिकॉर्डिंग को पेश किया गया था। निर्वाचन अधिकारी को भी बुलाया गया था।

उत्तराखंड के टनकपुर स्थित मां पूर्णागिरि धाम में बड़ा हादसा, पार्किंग में सो रहे श्रद्धालुओं को बस ने कुचला, 5 की मौत

चंपावत (आरएनएस)। उत्तराखंड के टनकपुर स्थित पूर्णागिरि धाम में बड़ा हादसा हो गया। यहां एक बस ने पार्किंग में सो रहे श्रद्धालुओं को कुचल दिया। इस हादसे में अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि आठ लोगों के घायल होने की सूचना है। फिलहाल घटना स्थल पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पहुंच गए हैं। हादसे को जिसने भी देखा रोंगटे खड़े हो गए। चंपावत जिले की पुलिस ने घटना में घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वहां पहुंचे उनके परिजनों का बुरा हाल है।

पुलिस प्रशासन इस बात की जांच में जुटा है कि आखिरी ये एक्सीडेंट कैसा हुआ। क्या रोडवेज बस चालक की अनियंत्रित बस के ड्राइवर को नींद आने या किसी अन्य तकनीकी कारण से ऐसा हादसा हुआ।

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ से 171 किलोमीटर और चंपावत से 92 किलोमीटर दूरी पर स्थित है मां पूर्णागिरी धाम। नवरात्र के मौके पर यहां हर साल हजारों भक्तों की भीड़ जमा होती है।

पूर्णागिरी मंदिर उत्तराखंड के टनकपुर से लगभग 17 किमी दूर है। यह समुद्र तल से 3000 मीटर की ऊंचाई पर है। मंदिर को शक्तिपीठ की मान्यता है और यह 108 सिद्ध पीठ में से एक कहा जाता है। मान्यता है कि इसी स्थान पर सती माता की नाभि गिरी थी। पूर्णागिरी को तमाम जगहों पर पुण्यगिरि के नाम से भी पुकारा जाता है। यह मंदिर उत्तराखंड की शारदा नदी के पास है। पूर्णागिरि मंदिर में चमत्कार को लेकर भी बड़ी मान्यताएं हैं।

पुराणों में यह भी कहा गया है कि जब सती मां ने पिता दक्ष के यज्ञ में अपमानित होकर स्वयं को भस्म कर लिया था तो नाराज भगवान शिव उनके पार्थिव शरीर को आकाश मार्ग से ले जा रहे थे। तभी यहां अन्नपूर्णा पहाड़ी पर सती की नाभि गिरी। तभी से मां दुर्गा के इस मंदिर को शक्तिपीठ के तौर पर मान्यता मिली।

मां पूर्णागिरि धाम में साल भर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। चैत्र और शारदीय नवरात्र में इस धाम में भक्तों का सैलाब उमड़ता है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड ही नहीं मध्य प्रदेश से लेकर मुंबई तक यहां हजारों श्रद्धालुओं रोजाना दर्शन करने आते हैं।

चीन का भारत-अमेरिका को झटका, अजय बंगा को वर्ल्ड बैंक चीफ बनाने में अटकाया रोड़ा

नई दिल्ली(आरएनएस)। जाने-माने भारतीय-अमेरिकी उद्यमी अजय बंगा को विश्व बैंक का अध्यक्ष बनाने के लिए समर्थन देने पर चीन ने बुधवार को संदेह जताया है। उसने कहा है कि उसके लिए योग्यता के आधार पर अन्य संभावित उम्मीदवारों को समर्थन देने का विकल्प खुला है।

उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने 63 साल के बंगा को विश्व बैंक के अध्यक्ष पद के लिए नामित किया है। अमेरिका से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, बंगा आज चीन आने वाले हैं। इस यात्रा के दौरान वह पीपल्स बैंक ऑफ चाइना के अधिकारियों से मिलेंगे और अपनी उम्मीदवारी के लिये चीन से समर्थन मांगेंगे।

यह पूछे जाने पर कि क्या चीन बंगा का समर्थन करेगा, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमने अमेरिका की तरफ से नामित उम्मीदवार पर गौर किया है लेकिन अन्य संभावित उम्मीदवारों के लिए भी हमारा विकल्प खुला है।

उन्होंने कहा कि विश्व बैंक दुनिया में सबसे प्रभावशाली बहुपक्षीय विकास संस्थान है और वैश्विक गरीबी में कमी और विकास के लिहाज से काफी महत्व रखता है। वेनबिन ने कहा कि विश्व बैंक के एक प्रमुख हिस्सेदार के रूप में चीन अध्यक्ष पद के लिये एक खुली, पारदर्शी और योग्यता-आधारित चयन प्रक्रिया को लेकर सभी पक्षों के साथ काम करने के लिये तैयार है।

उन्होंने मीडिया से यह भी कहा कि उन्हें इस बारे में सक्षम प्राधिकरण से पूछना चाहिए। बाइडेन ने पिछले महीने घोषणा की थी कि अमेरिका बंगा को विश्व बैंक का नेतृत्व करने के लिए नामित कर रहा है।

अगर विश्व बैंक के निदेशक मंडल द्वारा बंगा की पुष्टि की जाती है, तो वह दो शीर्ष अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों: अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक में से किसी एक का प्रमुख बनने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी और सिख-अमेरिकी होंगे।

फिलहाल, बंगा जनरल अटलांटिक में उपाध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं। इससे पहले, वह मास्टरकार्ड के अध्यक्ष और सीईओ थे और कंपनी को रणनीतिक, तकनीकी और सांस्कृतिक परिवर्तन के माध्यम से आगे बढ़ा रहे थे। उन्हें 2016 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

वर्जीनिया सलाहकार बोर्ड में भारतीय-अमेरिकी नियुक्त

न्यूयॉर्क। वर्जीनिया के गवर्नर ग्लेन यंगकिन ने भारतीय-अमेरिकी स्वास्थ्य पेशेवर श्रीलेखा पल्ले को वर्जीनिया एशियाई सलाहकार बोर्ड (वीएएबी) में नियुक्त किया है। अपनी नई भूमिका में, पल्ले गवर्नर को एशियन अमेरिकन एंड पैसिफिक आइलैंडर (वीएएबी) घटकों के सामने आने वाले मुद्दों पर सलाह और जानकारी देंगी, और समुदाय के हितों की वकालत करेंगी। वह गवर्नर को वाणिज्य, व्यापार, कला, शिक्षा और सामान्य सरकार के क्षेत्रों पर ध्यान देने के साथ राष्ट्रमंडल और एशियाई देशों के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को सुधारने के तरीकों पर भी सलाह देगी। यंगकिन ने एक बयान में कहा,आज मैं श्रीलेखा पल्ले की नियुक्ति की घोषणा कर खुश हूं।

विशाखापत्तनम में इमारत गिरने से तीन की मौत, पांच घायल

विशाखापत्तनम (आरएनएस)। गुरुवार रात तीन मंजिला एक इमारत के गिर जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, लगभग दो दशक पुरानी इमारत गुरुवार रात करीब 1.30 बजे ढह गई। घटना से कुछ ही घंटे पहले, इमारत के निवासियों ने मृतका अंजलि का जन्मदिन मनाया था।

इमारत गिरने के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पांच लोगों को मलबे से निकाला।

मृतकों की पहचान एस. दुर्गाप्रसाद (17), एस. अंजलि (10) और छोटू (27) के रूप में हुई है।

बचाव अधिकारियों के मुताबिक हादसे के वक्त इमारत में आठ लोग मौजूद थे। मौके पर पहुंचे एनडीआरएफ, पुलिस और दमकल कर्मियों ने मलबे से तीन शव निकाले।

घायलों को केजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने मचाया उत्पात, मुठभेड़ में 5 नक्सली घायल

दंतेवाड़ा,23 मार्च (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाके में 22-23 मार्च की दरम्यानी रात करीब 1 बजे सीपीआई माओवादी संगठन के कुछ अज्ञात माओवादी कैडर द्वारा जिला दन्तेवाड़ा के थाना बचेली के समीप पढ़ापुर के पास रेलवे ट्रेक दोहरीकरण कार्य में उपयोग किये जा रहे 1 जेसीबी मशीन तथा लौह अयस्क परिवहन में उपयोग किये जा रहे 1 ट्रक में आगजनी करने की कोशिश की खबर है।

इस दौरान थाना बचेली के सुरक्षा बल जो आसपास जंगलों में एरिया डॉमीनेशन की कार्यवाही कर रहे थे, उसे आते देख आगजनी घटना कर रहे माओवादियों द्वारा फायरिंग की गई। माओवादियों की फायरिंग पर जवाबी कार्यवाही में पुलिस पार्टी द्वारा भी फायरिंग की गई।इसके बाद माओवादी जंगल की आड़ लेकर भाग गये। आसपास के इलाके में सर्चिंग जारी है। माओवादियों के इस आगजनी की घटना में रेलवे ट्रेक दोहरीकरण कार्य में उपयोग किये जा रहे जेसीबी मशीन तथा लौह अयस्क परिवहन में उपयोग किये जा रहे ट्रक में आगजनी करने से आंशिक रूप से क्षति हुई। सुकमा जिले में भी पुलिस - नक्सली मुठभेड़ की खबर है।

मिली जानकारी के अनुसार सुकमा जिले के एर्राबोर थाना क्षेत्र के कोत्तालेंडरा जंगल में मुठभेड़ हुई। सुबह 11. 30 बजे डीआरजी जवानों के साथ मुठभेड़ होने की खबर है। बताया गया है कि 4 नक्सलियों को पकडऩे में कामयाबी मिली। पुलिस ने 4 से 5 नक्सलियों के घायल होने का दावा किया है।सुकमा एसपी सुनील शर्मा ने पुष्टि करते हुए कहा कि घटनास्थल पर सर्चिंग जारी है।

अमित शाह के दौरे का विरोध,नक्सलियों ने फेंके पर्चे- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे के पहले नक्सलियों ने आगजनी जैसी वारदात कर अपनी ताकत का अहसास कराने की कोशिश की है। उन्होंने आगजनी स्थल पर पर्चे फेंके जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे का नक्सलियों ने विरोध किया है।नक्सलियों ने पर्चों में लिखा है कि कार्पोरेट घरानों को फायदा पहुंचाना, बस्तर संभाग में हवाई हमले बंद करो, देश की संपदा को बचाने अमित शाह के दौरे का विरोध करें। नक्सलियों ने भूपेश सरकार को भी कटघरे में खड़ा किया है। पर्चा नक्सलियों के बस्तर सब जोनल ब्यूरो के द्वारा जारी किया गया है।

शाह से मिले साव : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे से पहले प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव पहुंचे दिल्ली, राजनीतिक चर्चा

नई दिल्ली/रायपुर (आरएनएस)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे से पहले छत्तीसगढ़ भाजपा अध्यक्ष अरुण साव दिल्ली पहुंचे. साव ने दिल्ली में शाह से मुलाकात की. भाजपा ने सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर कर लिखा है कि शाह से साव ने दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की और प्रदेश की विभिन्न राजनीतिक गतिविधियों व अन्य विषयों पर चर्चा की। एक और अहम बात यह है कि इससे पहले शाह ये कह चुके हैं कि 2024 तक नक्सलवाद खत्म कर देंगे. कुछ दिनों पहले आईबी चीफ बस्तर दौरा कर लौटे हैं तो नक्सल मुद्दे पर भी वे कोई बड़ा स्टेप ले सकते हैं. दोनों नेताओं के बीच संभवत: इन्हीं मुद्दों पर बात हुई होगी. हाल ही में भाजपा ने पीएम आवास के मुद्दे पर बड़ा आंदोलन किया था. विधानसभा में भी भाजपा लगातार राज्य सरकार पर हमलावर है. कहा जा रहा है कि शाह ने राज्य के अलग अलग मुद्दों पर जानकारी ली होगी। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने भाजपा स्थापना दिवस 6 अप्रैल और डॉ. अंबेडकर जयंती 14 अप्रैल 2023 व 04 अप्रैल से 14 अप्रैल 2023 सामाजिक न्याय पखवाड़ा के विभिन्न कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए प्रदेश स्तर पर समिति का गठन किया है।